संभालती हैं। इस संघ के माध्यम से प्रतिदिन करीब 75 हजार लीटर दूध संकलित होने की संभावना है, जिसके मूल्य का सीधा भुगतान महिला सदस्यों के बैंक खाते में किया जाएगा।

दूध व्यवसाय को बढ़ाने से संबंधित तकनीकी इनपुट सहायता कार्यक्रम जैसे कृत्रिम गर्भाधान, चारा प्रबंधन, पशु स्वास्थ्य, पशु पोषण इत्यादि भी चलाये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि एनडीडीबी अपने स्तर पर शाहजहाँपुर महिला दुग्ध उत्पादक संघ को आगे बढ़ाने में हर संभव प्रयास करेगी।

किसानों को संबोधित करते हुए श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बताया कि यह प्रसन्नता का विषय है कि प्रदेश में दुग्ध सहकारिता के माध्यम से गाय, भैंस पालन कर दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने में महिला सदस्यों द्वारा भी सक्रिय सहभागिता की जा रही है। अब महिला दुग्ध उत्पादक शाहजहाँपुर महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ को अधिक मजबूत बनाएंगी। उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक दूध उत्पादन करने वाला प्रदेश है। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड द्वारा निर्गत आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में वर्ष 2016-17 में प्रतिदिन लगभग 760.82 लाख किग्रा दूध का उत्पादन हो रहा है, जो देश के कुल दुग्ध उत्पादन का लगभग 18% है। उत्तर प्रदेश में दूध की प्रतिव्यक्ति उपलब्धता 348 ग्राम है, जबकि पूरे भारत में दूध की प्रतिव्यक्ति उपलब्धता 355 ग्राम है। ग्राम स्तर पर पशुपालन एवं दुग्ध व्यवसाय कृषि के सह व्यवसाय के रूप में प्रचलित हैं। इसमें 70 से 80 प्रतिशत भूमिहीन, लघु एवं सीमांत कृषकों की सहभागिता है और हमने यह भी देखा है कि इस कार्य में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी है। गाँव स्तर पर दुग्ध समितियां एवं दुग्ध उत्पादन स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के सशक्त माध्यम हैं।

दुग्ध व्यवसाय में पारदर्शिता लाने हेतु दुग्ध विकास विभाग नवीन प्रौद्योगिकी को वृहत स्तर पर उपयोग में लाने हेतु कृतसंकल्पित है। समिति स्तर पर किसानों के भुगतान हेतु ऑनलाइन दुग्ध मूल्य भुगतान की डीबीटी प्रक्रिया अपनाई गई है। जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा हर स्तर पर दूध की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए सभी दुग्ध संघों की प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु आधुनिक परीक्षण पद्धति की स्थापना भी की जा रही है।

गाय के दूध के महत्व को ध्यान में रखते हुए जनपद कन्नौज में एक नवीन प्लांट की भी स्थापना की जा रही है।